हे माँ तेरी जय हो,
तेरे अटल छत्र की जय जय हो,
हे माँ तेरी जय हो ॥ ॥

चढ़ सिंघ पे भवानी,
अश्टादश भुज नागाणी,
तेरे शीश मुकुट सोहे,
माँ सुंदर छवि मन मोहे,
सोलह सिंगार सजके,
भक्तो को दर्शन दे माँ,
हे माँ तेरी जय हो ॥ ॥

तन से हुआ हूँ निर्बल,
मन मोह मे फँसा है,
दुर्भाग हूँ निर्धन,
कैसी ये दुर्दशा है माँ,
अपनाए कौन मुझको,
जब अपना कोई नही है,
हे माँ तेरी जय हो ॥ ॥

कर जोड़ करूँ मै विनती,
चरणोंकी देवों भगती,
कर दो दया की द्रष्टि,
दुख दुर होवे मैय्या,

मोती की अरज सुनके,
नित घणी घणी खम्मा,
हे माँ तेरी जय हो ॥ ॥

हे माँ तेरी जय हो,
तेरे अटल छत्र की जय जय हो,
हे माँ तेरी जय हो ॥ ॥

Source: https://www.bharattemples.com/he-maa-teri-jai-ho-rajasthani-bhajan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw